आज का पुरुषार्थ 7 May 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" हमें अब ऐसा स्थिति बनानी है जो चलते-फिरते हम अखण्ड दानी, महादानी बन बाबा का नाम रोशन करें "*

भाग्यवान है वह आत्मायें जिन पर भगवान राज़ी हुआ है। और राज़ी होकर ऐसी आत्माओं को उन्होंने **सर्व खजानों से भरपूर** कर दिया है।

खुशी के खजानों से भरपूर, **दुआओं** के खजानों से भरपूर, **श्रेष्ठ संकल्पों** के खजानों से भरपूर, **स्वमान** से भरपूर। और ऐसी आत्मायें ही आगे चलकर दाता बनकर निरन्तर अखण्ड दान करेंगे।

वो दिन आ रहा है, जब हम सब यह नज़ारा देखेंगे। जब भरपूर आत्माओं के पास आकर लोग खुशी के खजाने से भरपूर होकर लौटेंगे। समस्याओं से मुक्त होकर लौटेंगे। **वे कहेंगे** ...

" हमारे सिर पर हाथ रख दो .. हम पर दृष्टि डाल दो "

.... और आत्मायें निहाल होकर वापिस जायेंगी।

तो क्या हम स्वयं को सर्व खजानों से भरपूर करते जा रहे है? **चिंतन करे** .....

इसके लिए स्मृति स्वरुप होना, **योगयुक्त** होना, **स्वमानधारी** बनना, सम्पूर्ण **पवित्रता** के राह पर चलना परम आवश्यक है।

स्वयं में **सेवाओं का बल** भी भरना होगा। और याद रहे जहाँ सेवाओं में **निमित्त भाव** नहीं है वहाँ सेवाओं का फल ज़मा नहीं होता।

जिन्होंने चारों ही subjects में अपने खजाने भरपूर किये होंगे, वे **महादानी** बनकर संसार के काम आयेंगे।

बहुत बड़ी सेवा हमारा इन्तेजार कर रही है, वह दिन आ गये। बस, पहुँच गये हम उस किनारे पर जब इस संसार में बाबा की **जयजयकार** होंगी।

परन्तु इससे पहले एकबार यह महायज्ञ पुनः अनेक विघ्नों से गुजरेगा। अग्नि परीक्षाओं से गुजरेगा। और फिर निखर कर बाहर निकलेगा।

अनेक आत्मायें उस परीक्षा के दौड़ में इस यज्ञ से बाहर हो जायेंगी। यह **कल्पवृक्ष**, यह ब्राह्मणों का झाड़ फिर से हिलेगा। कमजोर आत्माओं को तो जाना ही चाहिए।

जो अपवित्र वायब्रेशन्स फैला रहे है, उनको तो चले जाना ही चाहिए। तो आईये हम सभी अखण्ड **महादानी** बने।

चलते-फिरते संसार को हमसे श्रेष्ठ वायब्रेशन्स का दान मिलता रहे। ब्राह्मणों को शक्तियों का दान मिलता रहे क्योंकि ...

अनेक कमजोर ब्राह्मण असहाय आत्मायें अब बाबा के बच्चे बन रहे है .. उन्हें हमारी मदद की बहुत जरूरत है।

तो हम ऐसी श्रेष्ठ स्थिति में रहे, जो ...

" चलते-फिरते, काम करते, नेचुरल लाइफ में हमसे श्रेष्ठ वायब्रेशन्स का दान सबको मिले .. मुख के द्वारा ज्ञान रत्नों का दान मिले ....

मुख के द्वारा हम दुसरों की **उमंग उत्साह** को बढ़ाते रहे .. हिम्मत हीन आत्माओं में **हिम्मत** भरते चले .. जो निराश हो गये है .. उनके जीवन में **आशाओं के दीप** जलाते चले।

" **योगी** जीवन क्या होता है? **सरल** जीवन क्या होता है? Stress-free life क्या होती है? Easy Life क्या होता है? "

तो हम ऐसे निरन्तर सेवा की फ़ील्ड में रहे। और सारा दिन अभ्यास करेंगे ...

" मैं चलता-फिरता लाइट हाउस हूँ .. मुझसे निरन्तर चारों ओर लाइट माइट फैल रही है "

आपने अंग-अंग से चहुँ ओर रंग-बिरंगी किरणें फैलते हुए देखेंगे ...

" जिधर भी दृष्टि जा रही है उधर किरणें फैल रही है .. जिधर भी कदम पड़ रही है किरणें फैल रही है .. जिधर भी बात हो रही है .. उनको किरणें मिल रही है .. सम्बन्ध सम्पर्क में आने वाले श्रेष्ठ वायब्रेशन्स लेकर जा रहे है "

आज सारा दिन यह अभ्यास करेंगे ....

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org